विश्वास संस्थान, रायबरेली (उ0प्र0)

वार्षिक प्रगति रिपोर्ट वर्ष 2018–19

प्रस्तावना – विश्वास संस्थान समाज को नई दिशा देने हेतु सतत प्रयासरत है। संस्थान महिलाओं एवं बच्चों के विकास के लिए लगातार प्रयासशील है। विश्वास संस्थान की स्थापना वर्ष 1996–97 में रायबरेली जनपद के ग्राम जनेवा कटरा में हुई। संस्था का पंजीकरण 27 मार्च 1999 में हुआ। संस्थान का प्रशासनिक कार्यालय जनपद मुख्यालय रायबरेली में स्थापित है। संस्थान ने अपनी मेहनत, लगन, एवं कर्मठता के सहारे जनपद में ख्याति प्राप्त की। अन्य जनपदों मे भी कार्यक्रम का संचालन सफलता पूर्वक कर रही है। संस्थान अपने उद्देश्य हेतु उत्साही, विकासशील, सामाजिक, मानसिक, नैतिक, चारित्रिक, शैक्षिक, बौद्धिक, आर्थिक. राष्ट्रीय भावना एवं स्वास्थ्य सम्बन्धी विकास के सहयोग हेतु सत्त प्रयासरत है।

गर्ल आइकन कम्युनिटी नेटवर्क कार्यक्रम – मिलान फाउन्डेशन के सहयोग से गर्ल आइकन कम्युनिटी नेटवर्क कार्यक्रम किया जा रहा है। यह कार्यक्रम 12 से 18 वर्ष की किशोरी बालिकाओं में शिक्षा, स्वास्थ्य, मौलिक अधिकार, लिंग भेदभाव, यौन हिंसा एवं कानून की जानकारी एवं जागरूकता लाने के लिए किया जा रहा है। कार्यक्रम के अर्न्तगत जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतॉव, हरचन्दपुर, बछरावॉ, लालगंज, सरेनी, जगतपुर, महराजगंज, अमावॉ एवं रायबरेली शहर में 20–20 किशोरी बालिकाओं के 35 समूह बनाकर माह में दो बार बैठक की जाती है। बैठक सहयोगी कार्यकर्ता के द्वारा किया जाता है। प्रत्येक बैठक के विषय पर मिलान द्वारा सहयोगी एवं गर्ल आइकन का आवासीय प्रशिक्षण प्राप्त होता है। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह की बैठकें की जाती है। साथ ही साथ प्रत्येक समूह गॉव की एक समस्या चिन्हित करके सोशल एक्शन प्रोग्राम करती है। जिससे पूरे गॉव की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है। कुल 740 किशोरी बालिकाओं को लाभ प्राप्त हो रहा है। यह कार्यक्रम बालिकाओं की जिन्दगी में बदलाव के लिए है। किशोरी बालिकाओं में पहले की अपेक्षा ज्यादा आत्म विश्वास समझ देखने को मिल रहा है। क्षेत्र में अन्य किशोरी बालिकाएॅ भी इससे लाभान्वित हो रही है। अभिभावको ंने कहा कि इस प्रकार का कार्यक्रम बालिकाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है।

<u>गरीब एवं जरूरतमंदों के लिए कार्यक्रम</u> – समदासिनी फाउन्डेशन, हॉग–कॉग गरीब और जरूरतमंदो के लिए कुछ वित्तीय सहयोग करता है। जिससे संस्थान अलग–अलग प्रकार के गरीब और जरूरतमंदों की पहचान कर उसके लिए कार्य करता है। इस वर्ष के वित्तीय सहयोग से जनपद रायबरेली के विकास खण्ड लालगंज के मैदेमऊ में स्वास्थ्य कैम्प आयोजित किया गया। स्वास्थ्य कैम्प में बी0पी0एल0 परिवारों को लक्ष्य किया गया। जिसमें सामान्य बीमारियों का डा0 द्वारा परामर्श एवं मुफ्त दवाईयों का वितरण किया गया। साथ ही साथ अगली बार बीमार होने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जाने के लिए प्रेरित किया गया। 0 से 1 वर्ष के बच्चे और गर्भवती महिलाओं को टीकाकरण आशा बहू दीपिका एवं ए0एन0एम0 सरिता देबी से करवाया गया। डा0 प्रदीप, ग्राम प्रधान मायादेबी, ऑगनबाड़ी एवं सहायिका का सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम की सभी ने प्रशंसा की।

<u>पर्यावरण जागरूकता</u> – पर्यावरण की जागरूकता के लिए जनपद रायबरेली के विकास खण्ड राही के गॉव उत्तरपारा एवं बेला खारां में गोष्ठी का आयोजन किया गया। उत्तरपारा में गोष्ठी का आयोजन प्राथमिक विद्यालय के प्रांगण में किया गया वही बेला खारा की गोष्ठी का आयोजन पंचायत भवन में किया गया। गोष्ठी के दौरान गॉव के सम्मानित नागरिक, ग्राम प्रधान, ऑगनबाड़ी, संस्थान प्रतिनिधि श्रीमती नीता सिंह एवं गॉव की महिलाएं एवं पुरूष उपस्थिति रहे। ऑगनबाड़ी कार्यकत्री सावित्री ने बताया कि पर्यावरण को अच्छा रखने के लिए हम सभी को अपने आसपास पेड़ –पौधों को लगाना चाहिए। ज्यादा पेड़ पौधे होने से हमें शुद्ध आक्सीजन प्राप्त होती है। साथ ही मौसम भी अच्छा रहता है। बारिश भी समय से होती है। वही ग्राम प्रधान ने बताया कि हमें पालीथिन का प्रयोग नहीं करना चाहिए। पालीथिन मिट्टी में सड़ती नही है जिससे वह हवा मे उड़कर चारो तरफ फैलती है। बाजार में रंग बिरंगी पालीथिन या प्लास्टिक के खाने पीने के बर्तन बिक रहे है जिसमें गर्म खाना खाने से कैमिकल पेट में पहुचता है और स्वास्थ्य खराब होता है उसी प्रकार प्लास्टिक के बर्तन बाहर फेकने से वातावरण को हानि पहुचाते है। यदि प्रत्येक नागरिक अपनी– अपनी जिम्मेदारियों को ध्यान देकर कार्य करे तो पर्यावरण अच्छा रहेगा। संस्थान प्रतिनिधि ने सभी के विचारों को सुना और समझा इसके उपरान्त सभी आगन्तुकों को धन्यबाद दिया एवं कार्यक्रम का समापन किया।

<u>शिक्षा जागरूकता</u> – प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा में जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। शिक्षा हम सभी के उज्जवल भविष्य के लिए आवश्यक उपकरण है। इसलिए संस्थान ने शिक्षा की जागरूकता हेतु गोष्ठी करने का विचार बनाया। जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतॉव के गॉव सुल्तानपुर खेड़ा एवं हाजीपुर में गोष्ठी का आयोजन किया गया। ग्राम प्रधान श्रीमती रामावती ने कहा कि हम जीवन में शिक्षा को प्राप्त कर कुछ भी अच्छा कर सकते है। शिक्षा का उच्च स्तर लोगों को सामाजिक और पारिवारिक आदर देकर अलग पहचान बनाने में मदद करता है। शिक्षा किसी भी बडी पारिवारिक, सामाजिक और यहॉ तक कि राष्ट्रीय समस्याओं को भी हल करने की क्षमता प्रदान करती है। गॉव के प्रबुद्ध नागरिक श्री रामनरेश जी कहा कि बालक और बालिकाओं को समान शिक्षा दी जानी चाहिए। बालिकाओं को भी उच्च शिक्षा के लिए हमें गॉव से बाहर भेजना पडे तो भेज देना चाहिए।

<u>महिला एवं बच्चों के अधिकार जागरूकता</u> – सरकार ने महिला और बच्चों की सुरक्षा, विकास के लिए उनके अधिकारों को बनाया है किन्तु हमारे आधी आबादी पर पुरूषों का वर्चस्व होने के कारण महिलाओ को अपने अधिकार का प्रयोग कब और कहॉ करना चाहिए नही मालूम होता है। शहर की महिलाएं शिक्षित होने के कारण जागरूक होती है किन्तु गॉव की महिलाएं शिक्षा के अभाव के कारण कुछ नहीं जानती है। इसी उद्देश्य को लेकर जनपद रायबरेली के विकास खण्ड सतॉव के कोरिहर गॉव में ही दो जागरूकता कार्यक्रम किया गया। कोरिहर गॉव की आबादी 5000 से ज्यादा है। पहला कार्यक्रम ऑगनबाड़ी केन्द्र पर किया गया और दूसरा कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय में किया गया। कार्यक्रम के दौरान ऑगनबाड़ी सुमन, अनीता अध्यापिका सौम्या, विजया आदि उपस्थित रहे सभी लोगों ने अपने–अपने विचार व्यक्त किए। अध्यापिका सौम्या ने कहा कि महिलाओं को अधिकार है कि अपने इच्छा के विरूद्ध किसी भी कार्य के प्रति वह मना कर सकती है और उन्हें किसी भी प्रकार की प्रताड़ना नही दी जा

सकती है। महिलाएं भी पुरूषों के समान कही भी बाहर जा सकती है। पुरूषों द्वारा प्रताड़ित करने पर वह कानून की मदद ले सकती है। इसी प्रकार से बच्चो को भी अधिकार प्राप्त है। जैसे 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को शारीरिक श्रम के कार्य नही लगाना चाहिए। बच्चों को जरूरत से ज्यादा प्रताड़ित करने का अधिकार माता पिता या अन्य किसी को भी नही होता है। ऐसा पाए जाने पर कानून दण्डित कर सकता है।

सड़क सुरक्षा जागरूकता – सड़क सुरक्षा के नियमों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति को होना अत्यंत आवश्यक है हर व्यक्ति अपने दैनिक जीवन में कही न कही आने जाने के लिए सड़क

का उपयोग करता है। आज के जीवन मे सभी एक दूसरे से जल्दी अपनी मंजिल पर पहुचना चाहते है। जिससे रोज ही बहुत सारी दुर्घटनाएँ घटित होती है। सड़क सुरक्षा नियमों को जानने के लिए एक गोष्ठी का आयोजन जनपद रायबरेली के विकास खण्ड बछरावॉ के गॉव खैरहनी और पीठन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान गॉव की प्रधान श्रीमती सरजूदेई ने कहा कि प्रत्येक युवा वगै के लड़को को तेज रफ्तार मे गाड़ी चलाने की आदत होती अक्सर लोग नशे में भी गाड़ी चलाते है जिससे अधिकतर द्रुर्धटनाएं घटित होती है। सड़क यातायात सुरक्षा एक ऐसी विधि है जिसमे नियम पर चलकर दुर्घटनाओं को रोका जा सकता है और लोगों को चोट लगने से बचाया जा सकता है। कहा जाता है कि दुर्घटना से देर भली। इसी क्रम में संस्थान प्रतिनिधि पुष्पा देबी ने बताया कि सरकार ने लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कुछ नियम बनाए है। वाहनों की गति को निर्धारित किया गया है। सड़क पर चिन्ह बनाए गए है। यदि गाड़ी चालक नियमों का घ्यान रखे तो खुद का जीवन बचाकर दूसरों की रक्षा कर सकता है जीवन बहुमूल्य है इसे व्यर्थ में गवॉ कर परिवार को संकट में नही डालना चाहिए।

योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता – योगा और प्राकृतिक चिकित्सा आज की भागदौड़ की जिन्दगी में समाप्त होता जा रहा है। जिसकी जगह पर एलोपैथ दवाओं पर लोगों का विश्वास जमता जा रहा है। जबकि यह दवाएं लोगों को नुकसान पहुचाती है। साथ ही और भी कई रोग पैदा कर देती है। लोगों में योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा की जागरूकता लाने के लिए विकास खण्ड हरचन्दपुर के गॉव शेरी एवं विकास खण्ड बछरावॉ के गॉव पीठन में गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान डा0 अर्चना सिंह, ग्राम प्रधान श्री राजाराम,

प्रधानाध्यापिका श्रीमती मंजुला सिंह, एवं गॉव के महिला, पुरूष एवं युवक उपस्थिति रहे। डा0 अर्चना सिंह ने बताया कि योगा हमारे शरीर को मजबूत, लचीला, त्वचा में चमक, शान्तिपूर्ण मन एवं अच्छा स्वास्थ्य देता है। हम लोगों को योगा करना अत्यंत आवश्यक है यह शारीरिक, मानसिक रूप से तथा श्वसन में लाभ देता है। योग हमारे शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है।

कृषि एवं औषधीय पौध जागरूकता – भारत कृषि प्रधान देश है। जिससे अभी भी गॉव के अधिकतर लोग कृषि पर निर्भर रहते है। किसान जानकारी के अभाव में परम्परागत खेती कर रहे है। जिससे उनकीं जानकारियॉ बढ़ाने के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक श्री कनौजिया जी ने 10 अगस्त 2019 को ग्राम अहमदपुर एवं किलौली में गोष्ठी के दौरान धान की खेती एवं खेत में लगने वाले कीटाणुओं के उपचार के बारे में बताया। कृषि वैज्ञानिक ने किसानों को कम समय में ज्यादा लाभ लेने के लिए औषधीय पौधों को लगाने पर जोर दिया। किसान तुलसी, सुगन्धा, ऑवला, ब्राहमी, गुड़हल, पुदीना, सफेद मुसली, ग्वारपाठा को खेतों में बोए तो इसका उचित दाम मिलता है। इस खेती में अधिक सिंचाई की आवश्यकता नही होती है। किसानों को अधिक से अधिक नीम का पेड़ लगाना चाहिए। नीम कई प्रकार की दवाओं में काम आता है। जिससे इसकी अत्यधिक मॉग है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम – गॉवों में अलग – अलग त्योहारों में अलग – अलग प्रकार के गाना गाए जाते है। यह अपनी अपनी स्थानों एवं प्रदेशों की बोली भाषा के अनुसार बदलते रहते है। यह गाने हमें मनोरंजन के साथ – साथ अनेकों ज्ञान भी देते है। साथ ही लोगों को एक – दूसरे से जोड़ने का कार्य भी करते है जिससे लोगों में एकता बनी रहती है। होली के समय में फाग और खेतों में बुवाई के समय एवं सावन में अलग प्रकार के गाने गाए जाते है किन्तु धीरे –धीरे व्यस्तता के कारण लोगों में उत्साह की कमी होती जा रही है। जिससे यह कार्यक्रम विलुप्त हो रहे है। इसलिए संस्थान ने गॉव – गॉव में कलाकारों की पहचान करके उन्हें एक स्थान पर एकत्रित करके विकास खण्ड राही में कलाकारों को प्रोत्साहित किया और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी करवाया गया। अलग – अलग प्रतिभा के लोगों ने अपनी प्रतिभा से लोगों का मन मुग्ध कर लिया। नुक्कड़ नाटक एवं कठपुतली के कलाकारों को भी प्रोत्साहित किया गया। विकास खण्ड स्तर पर कलाकारों की पहचान बनी एवं अधिकारियों को बताया गया कि जागरूकता कार्यक्रम में इन कलाकारों का विशेष योगदान लिया जा सकता है।

<u>स्वच्छता एवं स्वास्थ्य कार्यक्रम</u> – गॉवों में देखा गया है कि घरों के आस–पास ही जानवरों को बॉधने की जगह होती है जिससे जानवर गोबर पेशाब करके या चारा फैलाकर बहुत गंदगी फैलाते है। गॉव के किसान घरों के पास ही घूर बनाते है जहॉ पर वह घर की गन्दगी या जानवरों के नीचे की गन्दगी को डालते है हसी प्रकार लगातार कई घरों का घूर एक ही जगह पर बनाया जाता है इसीलिए वहॉ रहने वाले बच्चे बड़े व बूढ़े व्यक्तियों को बीमारियॉ लग जाती है। जिसे वह ईश्वर की देन समझ कर सहते है। स्वच्छता जागरूकता लाने के लिए जनपद रायबरेली के विकास खण्ड महराजगंज के गॉव जिहवा में एवं अमावॉ के गॉव लोधवामऊ में रैली एवं गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के दौरान गॉव के सभी प्रबुद्ध नागरिक एवं किसान महिला पुरूषों ने एकत्रित होकर अपने विचार व्यक्त किए। इसके बाद नारे लगाते हुए रैली निकाली गयी।

<u>आगामी वर्ष हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम –</u> संचालित कार्यक्रमों के साथ–साथ संस्थान आगामी वित्तीय वर्ष में अन्य विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन हेतु प्रयासरत है–

- बकरी पालन आजीविका परियोजना
- कृषि एवं औषधीय पौधों की खेती कार्यक्रम
- बेरोजगार युवाओं को रोजगार उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम
- शिक्षा जागरूकता कार्यक्रम
- गरीब एवं जरूरतमदों की सहायता कार्यक्रम
- सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम
- बाल एवं महिला अधिकार जागरूकता कार्यक्रम
- योगा एवं प्राकृतिक चिकित्सा जागरूकता कार्यक्रम
- सांस्कृतिक जागरूकता कार्यक्रम
- गर्ल आइकन कम्युनिटी नेटवर्क कार्यक्रम

संस्था अपने लक्ष्य एवं उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निरन्तर प्रयासरत है। आपके वांछित सहयोग एवं मार्गदर्शन की अपेक्षा रखती है।

Bipin Bajpai
Secretary
VISHWAS SANSTHAN
Rae Bareli U.P